ट्रेड शो में प्रदेश का हर जिला बिखेरेगा अपनी चमक

ओडीओपी प्रदर्शनी में उत्पादों के जरिए बताएगा अपनी पहचान

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में इस बार हर जिले की अपनी पहचान और अपनी कहानी उसके उत्पाद के जरिए जीवंत होती नजर आएगी। प्रदर्शनी में समूचे प्रदेश के उत्पादों से सजे कुल 343 स्टॉल्स लगाए जाएंगे, जो प्रदेश के साथ-साथ हर जिले की कहानी को बयां करेंगे। यूपीआईटीएस 2025 में ओडीओपी पवेलियन एक ऐसा मंच होगा, जहां परंपरा और भविष्य साथ-साथ चलते दिखाई देंगे।

भदोही के कालीन, जो अपनी बारीक बुनाई और डिजाइन के लिए पूरी दुनिया में मशहूर हैं, इस पवेलियन की शोभा बढ़ाएंगे। फिरोजाबाद की कांच की कारीगरी अपनी पारंपरिक चमक और आधुनिक डिजाइनों के साथ दर्शकों को आकर्षित करेगी। मुरादाबाद का मेटलवेयर अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पहले से ही लोकप्रिय है और सहारनपुर की लकड़ी पर की गई नक्काशी कारीगरों की अनुपम कला को दर्शाएगी। इन उत्पादों के जरिए न सिर्फ जिलों की पहचान सामने आएगी बल्कि 'लोकल से ग्लोबल' सपने को भी नया आयाम मिलेगा।

ओडीओपी पवेलियन को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह एक ग्लोबल मार्केटप्लेस की तरह अनुभव देगा। इस पवेलियन का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह स्टार्टअप्स, डिजाइनर्स और इंटरनेशनल खरीदरों को साझा मंच उपलब्ध कराएगा। इस बार पारंपरिक शिल्प को आधुनिकता के साथ जोड़कर नई संभावनाओं को तलाशने की कोशिश होगी।

इन उत्पादों के स्टॉल्स होंगे आकर्षण का केंद्र

ट्रेड शो के लिए बनाए जा रहे स्टॉल। अमर उजाला

फिरोजाबाद का ग्लास आर्ट, हाथरस की हींग, हापुड़ की हैंडलूम बेडशीट, टेक्सटाइल फर्निशिंग, गौतमबुद्ध नगर का टेक्सटाइल, ज्वेलरी, मुरादाबाद का मेटल फर्नीचर, बरेली का जरी जरदोजी, आगरा की लेदर एसेसरीज, मेरठ का स्पोर्ट्स प्रोडक्ट्स, मसाले, कन्नौज का इत्र, इसेंशियल ऑक्ल, कानपुर देहात के पीई पाइप्स, वाराणसी का सिल्क और बनारसी साड़ी, बाराबंकी का हैंडलूम, कानपुर के लेदर उत्पाद,चित्रकूट के लकड़ी के खिलौने, सीतापुर का हैंडलूम दरी, बुलंदशहर का खुर्जा पॉटरी, सेरेमिक ज्वेलरी, भदोही और मिर्जापुर का कालीन,गाजियाबाद का इंजीनियरिंग गुड्स, लखनऊ का हैंडीक्राफ्ट चिकन इंब्रॉयडर्ड गारमेंट्स, फतेहपुर का आयरन चूल्हा, एटा के घुंघरू, घंटी और अन्य ब्रास, मैनपुरी की ताकशी आर्ट, फर्रूखाबाद का जरी जरदोजी, संत कबीरनगर की होजरी, जौनपुर की ऊनी दरी, प्रतापगढ़ के आमला प्रोडक्ट्स, संभल का रेशम आर्ट, पीलीभीत का वुड प्रोडक्ट, आजमगढ़ की सिल्क साड़ी, बागपत का हैंडलूम, औरैया का देसी घी और मिल्स प्रोडक्ट्स, अमेठी का मूंज प्रोडक्ट, झांसी का सॉफ्ट टॉयज, अलीगढ़ के ताले और मेटल हैंडीक्राफ्ट, सुल्तानपुर का मूंज क्राफ्ट , सहारनपुर का वुडेन किचनवेयर और प्रयागराज का मूंज क्राफ्ट, अचार, मथुरा के ठाकुर जी की पोशाक आदि।

जिले के 50 नए उद्यमियों को स्टॉल आवंटित, सब्सिडी से मिला सहारा

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) का तीसरा संस्करण इस बार जिले के उद्यमियों के लिए बड़ी सौगात लेकर आया है। जिले के 50 नए उद्यमियों को यहां स्टॉल आवंटित किए गए हैं। इन उद्यमियों ने तीन साल पहले ही कारोबार शुरू किया था। इन्हें स्टॉल आवंटन में 75 प्रतिशत की सब्सिडी भी दी गई है।

इस बार 2,500 उद्यमियों को स्टॉल दिए गए हैं। इसमें 350 नए उद्यमियों को शामिल किया गया है। जनपद-एक-उत्पाद (ओडीओपी) योजना के तहत 347 उद्यमियों को स्टॉल आवंटन हुआ है। गौतमबुद्धनगर से 40 एमएसएमई उद्यमियों को भी मंच मिला है। आयोजन में 25-25 स्टॉल आवंटन का लक्ष्य रखा गया था।

जिले के स्टॉल्स की विशेषता उनकी विविधता है। टेक्सटाइल में साड़ी, सूट, दुपट्टा, महिला वस्त्र और रेडीमेड गारमेंट्स शामिल हैं। फूड प्रोडक्ट्स में अचार, मसाले, नमकीन, स्नैक्स, ड्राई फ्रूट्स, शहद और खादी उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं। इंजीनियरिंग गुड्स में स्मार्ट होम इलेक्ट्रिकल्स, अस्पतालों के लिए स्टील फर्नीचर, मशीन निर्माण और पैकेजिंग उपकरण शामिल हैं। होम डेकोर और फर्नीचर श्रेणी में बेडशीट, कुशन, होम फर्निशिंग, मॉड्यूलर फर्नीचर, लकड़ी के हैंडीक्राफ्ट और सजावटी सामान प्रदर्शित किए जाएंगे। वहीं हैंडीक्राफ्ट सेक्शन में लकड़ी और धातु के हस्तशिल्प, फैशन ज्वेलरी, पेपर प्रोडक्ट्स, कांच का हस्तशिल्प उत्पाद शामिल हैं। आईटी सेवाओं और ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस से जुड़े उद्यमी भी इस बार स्टॉल्स पर अपने उत्पाद और सेवाएं प्रदर्शित करेंगे। परफ्यूम, अगरबत्ती और सौंदर्य उत्पादों के अलावा पैकेजिंग सामग्री भी प्रमुख आकर्षण का हिस्सा रहेंगी।

उपायुक्त (उद्योग) अनिल कुमार ने बताया कि सब्सिडी का लाभ पाकर जिले के युवा उद्यमियों को न सिर्फ अपने उत्पादों को प्रस्तुत करने बल्कि नए बाजार और निवेशकों से नेटवर्किंग करने का भी मौका मिलेगा। इससे प्रदेश की आर्थिक प्रगति को नई गति मिलेगी। आयोजन का उद्देश्य स्थानीय उद्यमिता को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाना है।

प्रधानमंत्री के आगमन के मद्देनजर तेज कीं तैयारियां

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 सितंबर को यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का शुभारंभ करेंगे। वह सवा घंटे यहां रहेंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार प्रधानमंत्री सुबह करीब 9:30 बजे हेलीकॉप्टर से एक्सपो मार्ट आएंगे और पौने 11 बजे तक कार्यक्रम में रहेंगे। फिर वह हेलीकॉप्टर से दिल्ली रवाना हो जाएंगे। पीएम के आगमन के मद्देनजर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं।